21 दिन के लॉकडाउन का पहला दिन

दिल्ली : घर पहुंचेगा जरूरी सामना

लॉकडाउन से दिल्ली के लोगों को होने वाली परेशानियों को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सरकार दूध, सब्जी, दवाई और जरूरत का सामान लोगों के घरों तक पहुंचाने की तैयारी कर रही है। दुकानों पर भीड़ जमा होने से रोकने के लिए यह कदम उठाने जा रही है। उन्होंने जरूरी सेवाओं के लिए ई-पास जारी करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि जरूरी सेवाओं के लिए बाहर निकलने पर कोई भी दिक्कत होने आप सीधे कमिश्नर कार्यालय में फोन करिए। इसके साथ ही हेल्पलाइन नंबर जारी किया है।

जयपुर : कैदी बना रहे मास्क

राजस्थान में पहले से ही लॉकडाउन था। ऐसे में यहां लॉकडाउन का तीसरा दिन है। राजधानी जयपुर की सड़कें सूनीं हैं। दवा, दूध और जरूरी सामानों की दुकानें खुली हुई हैं। लोग खरीददारी कर रहे हैं, लेकिन भीड़ नहीं है। सतर्कता का सबसे अच्छा उदाहरण दुकानदार दे रहे हैं। यहां कुछ दुकानदारों ने ग्राहकों के लिए एक-एक मीटर की दूरी पर मार्क कर दिए हैं। पुलिस की सख्ती भी अब बढ़ती जा रही है। यहां के अलवर में कैदी ही खुद के लिए, जेल स्टाफ के लिए और उनसे मिलने आने वाले परिजनों के लिए मास्क बना रहे हैं।

यूपी : जौनपुर में गांववालों ने बनाई लक्ष्मण रेखा

लॉकडाउन के बीच बुधवार को नवरात्र के पहले दिन लोग मास्क लगाकर सब्जी, दूध व फल खरीदने के लिए दुकानों पर पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दूध, सब्जी और जरूरी लोगों के घरों तक पहुचाएंगे। यहां लोगों से पुलिस अब सख्ती से निपट रही है। मऊ में बेवजह बाहर टहलने वालों को पुलिस दीवार से चिपकाकर खड़ा कर दे रही है। जौनपुर जिले में ग्राम सभा काजीपुर के ग्रामीणों ने कोरोना वायरस से लड़ने खुद बीड़ा उठाया है। गांव वालों ने गांव के बाहर एक बैनर टांगा है। जिसमें लिखा है कि काजीपुर लॉकडाउन है। गोरखपुर जिला नेपाल बॉर्डर से सटा है। बॉर्डर को सील कर दिया गया है।

ओडिशा : 3 माह का वेतन राहतकोष में जमा करेंगे सीएम

ओडिशा के लोगों ने कोरोनावायरस को फैलने से रोकने के लिए 21 दिनों के लॉकडाउन का समर्थन किया। लोगों ने इस चुनौती को गंभीरता से लेते हुए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने का संकल्प लिया। भुवनेश्वर में रेड क्रॉस सोसाइटी के लोग जगह-जगह ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पानी की बोतल, फल एवं अन्य जरूरी सामान बांटते कर उन्हें सैल्यूट कर रहे है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य के लोगों से अपने घरों में परिवार के साथ रहने का अनुरोध किया है। पटनायक ने अपना तीन महीने का वेतन मुख्यमंत्री राहत फंड में जमा किया। बीजद और भाजपा के विधयाकों ने भी तीन-तीन महीने का वेतन आपदा फंड में दान किया है।

प. बंगाल : लॉकडाउन तोड़ने वाले 1302 लोग गिरतार

कोलकाता की प्रमुख जगहों एस्प्लेनेड, टॉलीगंज, मैदान इलाका, हावड़ा ब्रिज, बड़ाबाजार, बेहला की सड़कें पूरी तरह से सूनी रहीं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सीपी अनुज शर्मा ने बेलेघाटा आईडी, एनआरएस समेत तमाम अस्पतालों में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। यहां उन्होंने डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों का मनोबल भी बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने इमरजेंसी ड्यूटी में तैनात डॉक्टरों, नर्सों, स्वास्थ्य कर्मियों और पुलिसकर्मियों को मास्क, ग्लब्स, सैनिटाइजर और ड्राई फूड पैकेट पर्याप्त मात्रा में मुहैया कराने के निर्देश दिए। कोलकाता पुलिस ने महानगर में कानून तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1302 लोगों को गिरफ्तार किया। कोलकाता नगर निगम विभिन्न इलाकों को सैनिटाइज करने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है।

झारांड : गिरिडीह में भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया

राज्य में कई जगहों पर बाजारों में राशन इकट्ठा करने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी तो कुछ ऐसे भी इलाके थे, जहां लोग अनुशासित तरीके से कतारों में लगकर सामान लेते नजर आए। कुछ जगह भीड़ की वजह से हालात इतने बिगड़ने कि पुलिस को सख्ती दिखानी पड़ी। गुमला, धनबाद, जमशेदपुर, लोहदगा, पलामू के अलावा कई अन्य शहरों में पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा।

हरियाणा : बेवजह निकले लोगों को मुर्गा बनाया

राज्य में लॉकडाउन के पहले दिन पुलिस सख्त नजर आई। बेवजह घूमने वालों को पुलिस ने कहीं उठक-बैठक लगवाई तो कहीं डंडे बरसाए। कहीं मुर्गा भी बनाया। फतेहाबाद में पुलिस ने जगह-जगह नाकाबंदी करके रखी। सुबह करियाने की दुकानों पर लोगों की भीड़ नजर आई। पुलिस ने शहर के अंदर गश्त भी की। बेवजह घूमने वालों पर लाठी भांजी गई।

अमेरिका, स्पेन में इटली जैसा हाहाकार

24 घंटे में 150 मौतें, अमेरिका बन सकता है महामारी का अगला केंद्र, दिया 2 ट्रिलियन डॉलर का राहत पैकेज, इटली के लोबार्डी ने चीन के वुहान को पीछे छोड़ा हर तीसरे दिन मौत का आंकड़ा दोगुना बढ़ रहा, ब्रिटेन का राजघराना भी कोरोना वायरस के घेरे में

स्पेन में 24 घंटे में 700 से अधिक लोगों की मौत

195 देश कोरोना की चपेट में, 19,744 मौतें

195 देश चपेट में 19,744 की मौत 4,27,940 संक्रमित

जेएनएन, मैड्रिड/लंदन/मिलान/न्यूयॉर्क। इटली में पिछले 24 घंटे में 743 लोगों की जान गई है। अब तक संक्रमण के 69,176 मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही कोरोना वायरस से होने वाली मौतों की संख्या 6,820 हो गई है। यहां लोम्बार्डी शहर कोरोनावायरस का नया एपिसेंटर बन गया है। कोरोना से हुई मौत के मामले में लोम्बार्डी ने चीन के वुहान को पीछे छोड़ दिया है। चीन के हुबई प्रांत में सोमवार तक कोरोना से 3160 लोगों की जान गई थी। इनमें से करीब 2500 से मौतें अकेले वुहान शहर में हुई हैं। वहीं, लोम्बार्डी में अब तक करीब 3500 लोगों की जान जा चुकी है। अब दुनिया के किसी भी शहर में सबसे ज्यादा मौतें यहीं हो रही हैं। यहां हर तीसरे दिन मौत की संख्या दोगुना तेजी से बढ़ रही है।

एक दिन में 10,000 चपेट में

अमेरिका में कोरोना वायरस के एक दिन में ही करीब 10,000 मामले सामने आए हैं, जबकि 150 अमेरिकियों ने इस संक्रमण से अपनी जान गंवा दी है। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 12 अप्रैल यानी ईस्टर तक देश की अर्थव्यवस्था के पटरी पर आने की उम्मीद जताई है। लाखों अमेरिकियों के लॉकडाउन होने, नेशनल गार्ड और सैन्य बलों की कई राज्यों में तैनाती के बावजूद न्यूयॉर्क में ही कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई।

प्रिंस चार्ल्स कोरोना पॉजिटिव

खतरनाक कोरोना वायरस की जद में ब्रिटेन का राजघराना भी आ गया है। ब्रिटेन के प्रिंस चार्ल्स कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए हैं। वह पहले ही स्कॉटलैंड में आइसोलेशन में हैं। वहीं, उनकी पत्नी कैमिला निगेटिव पाई गई हैं। कुछ दिन पहले ही चार्ल्स की मुलाकात मोनैको के प्रिंस ऐल्बर्ट से हुई थी जो बाद में कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। क्लेरेंस हाउस के प्रवक्ता ने बताया है कि प्रिंस ऑफ वेल्स को कोराना वायरस के लिए पॉजिटिव पाया गया है। उनमें बीमारी के थोड़े लक्षण हैं, लेकिन उसे छोड़कर उनका स्वास्थ्य ठीक है। वह पिछले कई दिन से घर से ही काम कर रहे हैं। डचेज ऑफ कॉर्नवॉल का भी टेस्ट किया गया, लेकिन उनमें वायरस नहीं निकला है। सरकारी और मेडिकल सलाह के मुताबिक प्रिंस और डचेज स्कॉटलैंड के बालमोरल कासल में आइसोलेशन में रह रहे हैं।

मैड्रिड और लंदन में लोबार्डी से भी तेज मौतों की रतार

लोम्बार्डी के बाद स्पेन के मैड्रिड और ब्रिटेन के लंदन अब कोरोना के बड़े सेंटर हैं। यहां कोरोना से मौतों का आंकड़ा काफी तेजी से बढ़ रहा है। हर दूसरे दिन इन शहरों में मौतों की संख्या दोगुनी बढ़ रही है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक लंदन में मौत का आंकड़ा दोगुना तेजी से बढ़ रहा है। यह ब्रिटेन के अन्य हिस्सों की तुलना में एक दिन आगे है। ब्रिटेन में मंगलवार को कोरोना से 87 लोगों की मौत हुई। इनमें से 21 मौते लंदन में हुई हैं। ब्रिटेन में एक हफ्ते में मौतें छह गुना बढ़ गई हैं।

मौतों के मामले में स्पेन भी चीन से आगे निकला

इटली के बाद अब स्पेन भी मौतों के मामले में चीन से आगे निकल गया है। स्पेन में बीते 24 घंटे में 738 लोगों ने दम तोड़ दिया। यहां संक्रमण से 3,434 लोगों की मौत हो गई। यहां के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बुधवार को स्पेन में संक्रमण के 5,552 नए मामले सामने आए तो 443 लोगों की मौत हो गई। स्पेन में अब तक संक्रमण के 47610 कुल मामले आ चुके हैं। वहीं अब तक चीन में 3,281 लोगों की मौत हो चुकी है। स्पेन में 14 मार्च को 15 दिन तक लॉकडाउन लगाने की घोषणा की गई थी। स्पेन में लॉकडाउन अब 11 अप्रैल तक बढ़ाया जा सकता है।

195 देश कोरोना की चपेट में

दुनिया के 195 देश कोरोनावायरस की चपेट में आ चुके हैं। 19 हजार 744 लोगों की मौत हो चुकी है। 4, लाख 27 हजार 940 संक्रमित हैं। 1 लाख 9 हजार 961 मरीज ठीक भी हुए।

ईरान : ईरान में एक दिन में 143 लोग मारे गए हैं। यहां अब तक 2,077 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 27017 लोग संक्रमित हो चुके हैं। राष्ट्रपति हसन रूहानी ने कहा कि कोरोनावायरस से निपटने के लिए लोगों पर और सख्त पाबंदी लगाई जा सकती है।

फ्रांस तीसरा सबसे ज्यादा प्राावित देश

फ्रांस के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि मंगलवार को देश में एक दिन में 240 लोग मारे गए हैं। अब तक कुल 1100 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 22 हजार 304 लोग संक्रमित हुए हैं। इटली और स्पेन के बाद फ्रांस यूरोप में तीसरा सबसे ज्यादा प्रभावित देश है।

न्यूजीलैंड में आपातकाल

प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने बुधवार को कहा कि पूरे देश में चार हफ्ते के लिए राष्ट्रीय आपातकाल लगाया जाएगा। यहां संक्रमण का आंकड़ा 205 ज्यादा हो गया है। देश में बुधवार को 50 नए मामले सामने आए। न्यूजीलैंड के इतिहास में दूसरी बार आपातकाल लगाया गया है। 23 फरवरी 2011 को पहली बार देश में आपातकाल लगाया गया था। उस समय भूकंप में लगभग 200 लोग मारे गए थे।

अमेरिका में 18 से 19 मार्च के बीच संक्रमण में 51फीसदी की वृद्धि

सीएनएन के मुताबिक, अमेरिका में 4 मार्च से संक्रमण के मामले हर दिन 23 प्रतिशत तक बढ़े हैं। वहीं, 18 से 19 मार्च तक 51 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि अमेरिका कोरोनोवायरस महामारी का केंद्र बन सकता है। कोरोनावायरस की वजह से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान हो रहा है। इससे निपटने के लिए अमेरिकी सीनेट में बुधवार को 2 ट्रिलियन डॉलर का राहत पैकेज पास किया गया। उधर, जेनेवा में डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता मार्गरेट हैरिस ने कहा कि अमेरिका में संक्रमण की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। यहां बुधवार सुबह तक 54 हजार 808 लोग संक्रमित हुए हैं। यहां अब तक 784 लोगों की जान गई है। उधर, प्रशांत महासागर में तैनात अमेरिकी जंगी जहाज यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट में तीन सैनिक पॉजिटिव मिले हैं।

कोरोना वायरस से अधिक प्राावित देश

देश	मौत	संक्रमित
इटली	6,820	69,176
स्पेन	3,434	47,610
चीन	3,281	81,218
ईरान	2,077	27,017
फ्रांस	1,100	22,302
अमेरिका	784	54,808

उत्तरप्रदेश में अब पान-मसाला बनाने और बेचने पर लगा बैन

थूक और लार से भी फैल सकता है कोरोना वायरस

यूपी में कोरोना के 35 मरीज, 11 ठीक भी हुए

लखनऊ, जेएनएन। महामारी का रूप ले चुके कोरोना वायरस से बचने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने पान-मसाले पर बैन लगा दिया है। प्रदेश सरकार के मुताबिक, अगले आदेश के पान-मसाले के निर्माण, वितरण और बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जा रहा है। यूपी के सूचना अफसर के मुताबिक कोरोना वायरस का संक्रमण इंसान की लार और थूक से भी होता है। उत्तर प्रदेश में लॉकडाउन के अंतर्गत नियमों का पालन सख्ती से करवाया जा रहा है। अब तक प्रदेश स्तर पर हर जिले में एफआईआर दर्ज हुई है। हालांकि पुलिस को निर्देश हैं कि जो लोग समझने पर न मानें, उन पर एफआईआर करें। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश के 20 लाख से अधिक दिहाड़ी मजदूरों को 1 हजार रुपये की पहली किस्त उनके अकाउंट में भेज दी। सरकार का प्रयास है कि कामबंदी के हालात में ये लोग भूखे ना रहें।

कोराना से भारतीय मूल के सिलेब्रिटी शेफ कार्डोज की मौत

न्यूयॉर्क, जेएनएन। कोरोना वायरस की चपेट में दुनिया की कई बड़ी हस्तियां आ चुकी हैं। इस खतरनाक वायरस से इन्फेक्शन होने पर भारतीय मूल के सिलेब्रिटी शेफ फ्लॉएड कार्डोज की जान चली गई। वह 59 साल के थे। न्यूजर्सी में रहने वाले कार्डोज 19 मार्च को कोरोना वायरस के लिए पॉजिटिव पाए गए थे। फ्लॉएड इसी महीने मुंबई आए थे और यहां उन्होंने एक पार्टी भी दी थी। बता दें कि अमेरिका में अब तक कोरोना वायरस से 773 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि भारत में इससे 10 लोगों की जान चली गई है। फ्लॉएड के न्यू यॉर्क में शेज फ्लॉएड, बॉम्बे कैंटीन और ओ पेड्रो नाम के रेस्तरां थे। मुंबई और गोवा में भी फ्लॉएड के रेस्तरां हैं। वह इसी साल मार्च में मुंबई भी आए थे और यहां उन्होंने एक पार्टी भी दी थी जिसमें कम से कम 200 लोग आए थे। वापस जाने के बाद फ्लॉएड को न्यूयॉर्क में वायरल फीवर की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मुंबई में दी थी पार्टी

कोरोना पीड़ित मरीज को पेट के बल लिटाना फायदेमंद

जेएनएन, नई दिल्ली। कोरोनावायरस से पीड़ित मरीजों में सांस लेना मुश्किल हो जाता है। चीनी शोधकर्ताओं ने अपनी हालिया रिसर्च में बताया है कि ऐसे मरीजों को अगर उल्टा लिटाया जाए तो सांस लेना आसान हो जाता है। ऐसी स्थिति में पेट के बल लेट जाएं और मुंह को तकिए पर रखें। यह रिसर्च कोरोनावायरस के गढ़ वुहान में इस वायरस से जूझ रहे मरीजों पर की गई है।

बदलता है फेफड़ों का व्यवहार: अमेरिकन जर्नल ऑफ रेस्पिरेट्री एंड क्रिटकल केयर मेडिसिन में प्रकाशित शोध के मुताबिक, वेंटीलेटर पर कोरोना पीड़ित का उल्टा लेटना फेफड़ों के लिए बेहतर है। चीन में साउथवेस्ट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता हैबो क्यू के मुताबिक, जब फेफड़ों पर सकारात्मक दबाव बढ़ता है, तो उनका व्यवहार बदलता है। ऐसी स्थिति में मरीज राहत महसूस करता है।

12 कोरोना पीड़ितों पर हुई रिसर्च: वुहान के 12 कोरोना पीड़ितों पर यह रिसर्च की गई। रिपोर्ट में सामने आया कि नए कोरोनावायरस के मरीज एक्यूट रेस्पिरेट्री डिस्ट्रेस सिंड्रोम से जूझते हैं। जिन्हें मशीनों के जरिए ऑक्सीजन दी जाती है। चीन में भी कोरोना के जो मरीज भर्ती हुए वो भी इस सिंड्रोम से जूझ रहे थे।

चीनी शोधकर्ता का दावा, मरीजों को होती है सांस लेने में तकलीफ

फेफड़ों पर सकारात्मक दबाव बढ़ता है, तो उनका व्यवहार बदलता है

फरवरी में एक हते चली थी रिसर्च

यह रिसर्च एक हफ्ते तक चली थी। शोधकर्ताओं का कहना है कि इलाज के दौरान मरीज के शरीर की पोजिशन का भी प्रभाव पड़ता है। गलत तरह से लेटने पर शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है। वेंटिलेटर पर लेटे कोरोना पीड़ित मरीज का ऑक्सीजन लेवल, फेफड़ों का आकार और एयर-वे प्रेशर जांचा गया। रिसर्च में सामने आया कि 7 मरीज कम से कम एक बार ही सीने के बल लेटे थे (प्रोन पोजिशन) में लेटे थे। वहीं, तीन ऐसे थे जो प्रोन पोजिशन में लेटे थे, उन्हें इक्मो भी दिया जा रहा था। इक्मो एक तरह का लाइफ सपोर्ट सिस्टम है।

एंकर स्टोरी रिसर्चर्स ने जताई आशंका, भारत में मई तक सामने आ सकते हैं मरीज

नहीं संभले तो 13 लाख को चपेट में लेगा कोरोना?

भारत ने शुरुआती दौर में कोरोना को नियंत्रित करने में अच्छा काम किया

जेएनएन, नई दिल्ली। कोरोना वायरस का कहर दुनियाभर के देशों में देखने को मिल रहा है। भारत भी इस जानलेवा वायरस के संक्रमण की चपेट में है। अब तक कोरोना के 562 पॉजिटिव केस सामने आ चुके हैं, वहीं इस महामारी से अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार की ओर से कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। देश में 21 दिन का लॉकडाउन घोषित किया गया है। बावजूद इसके जिस तरह से कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं, ऐसे में वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम की रिपोर्ट ने आशंका जताई गई है कि मई के दूसरे हफ्ते तक भारत में 13 लाख कोरोना के मामले आ सकते हैं।

मई के मध्य तक सामने आ सकते हैं 13 लाख केस

भारत में कोरोना के मामलों की स्टडी करने वाले COV-IND-19 स्टडी ग्रुप के रिसर्चर्स ने मौजूदा आंकड़ों का अध्ययन करने के बाद जारी रिपोर्ट में ये आशंका जताई है। शोधकर्ताओं ने रिपोर्ट में कहा है कि भारत ने शुरुआती दौर में कोरोना के मामलों को नियंत्रित करने में इटली और अमेरिका जैसे दूसरे देशों की अपेक्षा अच्छा काम किया है। हालांकि, हमारा ये अनुमान भारत में शुरुआती चरण के आंकड़ों के आधार पर है। इसमें एक खास बात ये है कि देश में प्रभावित मामलों की असली संख्या स्पष्ट नहीं है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, ऐसा इसलिए है, क्योंकि भारत में इसको लेकरटेस्टिंग रेट बेहद कम हैं।

टेस्टिंग रेट को लेकर उठाए हैं सवाल

रिपोर्ट में रिसर्चर्स ने कहा है कि हमारे मौजूदा अनुमान भारत में शुरुआती चरण के आंकड़ों के आधार पर सबसे कम आंक रहे हैं। अमेरिका और इटली जैसे दूसरे देशों में भी शुरुआती दौर में ऐसा ही पैटर्न देखा गया था, हालांकि बाद में वहां COVID-19 धीरे-धीरे फैलते हुए बहुत तेज हो गया। इन देशों में सामने आए आंकड़े इसके गवाह हैं कि इस वायरस ने वहां कितना लोगों को अपनी चपेट में लिया।

वैज्ञानिकों की अंतरराष्ट्रीय टीम की रिपोर्ट में आशंका

रिपोर्ट में रिसर्चर्स ने बताया है कि अब तक, भारत में कोरोना टेस्ट किए गए लोगों की संख्या अपेक्षाकृत कम रहा है। व्यापक टेस्ट नहीं होने से कम्यूनिटी ट्रांसमिशन की भयावहता को निर्धारित करना असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें तो टेस्ट की दरें कम होने की वजह से अभी ये अनुमान लगाना बेहद कठिन है कि अस्पताल और हेल्थकेयर सुविधाओं से अलग कितने लोग इस खतरनाक वायरस से संक्रमित हैं। कोरोना से संक्रमित मामलों की पुष्टि इसके टेस्ट से ही स्पष्ट होता है।